भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

27.11.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1479 का उत्तर

झारखण्ड में रेल परियोजनाएँ

1479. श्रीमती अन्नपुर्णा देवीः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों के दौरान झारखण्ड में सरकार द्वारा स्वीकृत रेल परियोजनाओं की संख्या और इन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) उपरोक्त में से कितनी परियोजनाओं पर कार्य पहले ही शुरू हो चुका है; और

(ग) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान जिन परियोजनाओं पर कार्य आरंभ हो चुका है उनके लिए आवंटित/प्रयुक्त निधि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

झारखण्ड में रेल परियोजनाओं के संबंध में 27.11.2019 को लोक सभा में श्रीमती अन्नपुर्णा देवी के अतारांकित प्रश्न सं. 1479 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): इस समय, रेलवे ने 40,020 करोड़ रु. की कुल लागत पर झारखंड राज्य में आंशिक/पूर्ण रूप से पडने वाली नई लाइन/दोहरीकरण की 30 रेल परियोजनाओं को शुरू किया है। इन परियोजनाओं में 25,535 करोड रु. की कुल लागत के साथ 1463 किमी की लंबाई वाली 14 नई लाइन परियोजनाएं और 14,485 करोड़ रु. की कुल लागत के साथ 1145 किमी लंबाई की 16 दोहरीकरण परियोजनाएं शामिल हैं।

उपरोक्त परियोजनाओं में से, 10 परियोजनाएं (6470 करोड़ रु. की कुल लागत के साथ 299 किमी की लंबाई वाली 5 नई लाइन परियोजनाएं और 3339 करोड़ रु. की कुल लागत के साथ 202 किमी की लंबाई वाली 5 दोहरीकरण परियोजनाएं) को विगत तीन वर्षों (2016-2019) में शामिल किया गया है।

निधियों का आबंटन/उपयोग सहित परियोजनाओं का ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात् www.indianrailways.gov.in> Ministry of Railways> Railway Board > about Indian Railway > Railway Board Directorate > Finance (Budget) पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

256 थ्रूपुट संवर्धन वाली परियोजनाओं की समीक्षा की गई है और केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ, परियोजनाओं को अति महत्वपूर्ण परियोजनाओं (58 अदद), महत्वपूर्ण परियोजनाओं (68 अदद) और अन्य थ्रूपुट संवर्धन वाली परियोजनाओं (130 अदद) के रूप में प्राथमिकता दी गई है।

इस समय, अधिक महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शेष लंबाई 2347 किमी, महत्वपूर्ण परियोजनाओं की 5676 किमी और अन्य परियोजनाओं के लिए 9703 किमी है। इन परियोजनाओं के लिए थ्रो-फारवर्ड 1.84 लाख करोड रु. का है और परियोजना के शीघ्र निष्पादन करने और रेलवे के लिए जल्द प्रतिफल प्राप्त करने हेतु रेलवे द्वारा पूरी ईमानदारी से केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है।

क्षमता संवर्धन संबंधी परियोजनाओं आदि के लिए 1.5 लाख करोड़ रु. के ऋण द्वारा संस्थागत वित्त्पोषण की व्यवस्था की गई है, जिससे अनिवार्य परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्ध निधि की व्यवस्था से रेलवे की क्षमता में वृद्धि हुई है।

*****